ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -7

हिन्दी (LOWER)

पाठ -2

बगुला भगत

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ प्रवेश-

ईमानदारी सफल व्यक्ति का आभूषण होती है। ईमानदारी व्यक्ति के लिए उसके सत्कर्म, उसके उसूल, उसकी अनुशासन के प्रति निष्ठा ही उसके संस्कार होते हैं। परंतु धूर्त व्यक्ति के लिए धूर्तपंती ही सब कुछ है, जैसे कुएँ में रहने वाले मेंढक के लिए कुआँ ही सब कुछ है। इसलिए धूर्त व्यक्ति से मित्रता न रखने में ही ईमानदार व्यक्ति की भलाई है । धूर्त और दुष्ट प्राणी सदा सुखी नहीं रहते,बुद्धि बल से ही दुष्ट की समाप्ति की जाती है। आँखें बंद कर किसी की बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए,वरन् अपने विवेक का सहारा लेकर अच्छे-बुरे की पहचान करनी चाहिए।

संबंधित प्रश्न-

१.सफल व्यक्ति का आभूषण क्या है?
२.ईमानदार व्यक्ति का संस्कार क्या है?
३.धूर्त व्यक्ति के लिए धूर्तपंती ही सब कुछ है कैसे?
४.ईमानदार व्यक्ति के लिए भलाई किसमें हैं और क्यों?

सामान्य उद्देश्य-

*ईमानदारी, बुद्धिमान आदि गुणों को छात्रों में विकसित करना।
*धूर्त और दुष्ट प्राणी सदा सुखी नहीं होता।
*अपने विवेक का सहारा लेकर अच्छे-बुरे की पहचान करनी चाहिए।
*इन सब बातों की जानकारी छात्रों को देना।

विशिष्ट उद्देश्य-

*छात्रों को दुष्ट प्राणियों के बुरे अंत के बारे में बताना।
*कहानी का अर्थ समझना और उसे जीवन में उतारने का सामर्थ्य जगाना।
*अपने विवेक का प्रयोग कर अच्छे-बुरे की पहचान करनी चाहिए।
*साथ ही अपने भीतर सदैव एक आत्मविश्वास रखना चाहिए।

सारांश-

बगुला भगत एक लोक कथा है। इसमें बगुला अपना स्वार्थ पूरा करने के लिए तालाब सूखने से पहले मछलियों को दूसरे तालाब में सुरक्षित पहुंचाने का ढोंग रचता है। बगुला अपनी चालाकी से मछलियों को ने तालाब का लालच देकर अपना शिकार बना लेता है। एक एक कर सभी मछलियाँ उसकी बातों में आ जाती हैं। अंत में एक केकड़ा बचता है।वह उसे भी अपना शिकार बनाना चाहता है, परंतु केकड़ा अपनी सूझ-बूझ के कारण न केवल बच जाता है वरन् धूर्त बगुले को भी मार देता है।

- गृहकार्य-

पाठ को पढ़कर उनके कठिन शब्दों को रेखांकित करना।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP